मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDE-142

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) /

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(बी. ए. जी./ बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एच.डी.ई.-142 : राष्ट्रीय काव्यधारा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है ?

भगवान की भव-भूतियों का यह प्रथम भण्डार है,
विधि ने किया नर-सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है॥

(ख) चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ।
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊँ॥
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर, हे हरि, डाला जाऊँ।
चाह नहीं, देवों के सिर पर चढ़, भाग्य पर इठलाऊँ॥

(ग) सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबसे मन में ठानी थी।

(घ) कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ,
जिससे उथल-पुथल मच जाए,
एक हिलोर इधर से आए,
एक हिलोर उधर से आए,
प्राणों के लाले पड़ जाएँ,
त्राहि-त्राहि रव नभ में छाए
धुआँधार जग में छा जाए
बरसे आग, जलद जल जाएँ।

(ङ) कितनी मणियाँ लुट गईं ? मिटा

कितना मेरा वैभव अशेष!

तू ध्यानमग्न ही रहा, इधर

वीरान हुआ प्यारा स्वदेश।

2. साहित्य के संदर्भ में आधुनिक युग के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

3. संस्कृति, समाज और भारतीय साहित्य के संदर्भ में स्वाधीनता आन्दोलन की व्यापकता की चर्चा कीजिए। 16

4. स्वाधीनता आन्दोलन के संदर्भ में राष्ट्रीय चतना का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए कुछ साहित्यिक कृतियों के उदाहरण भी दीजिए। 16

5. पश्चिमांचलीय साहित्य का परिचय दीजिए। 16

6. राष्ट्रीय चेतना के कवि के रूप में सुभद्राकुमारी चौहान के योगदान पर प्रकाश डालिए। 16

7. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

8. राष्ट्रकवि के रूप में 'दिनकर' के महत्व को स्पष्ट कीजिए। 16

9. श्यामनारायण पाण्डेय की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 16